नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की पत्रकारों के साथ चर्चा

नए शैक्षणिक सत्र से शुरू किए जाएंगे रोजगारपरक पाठ्यक्रम -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 28 अप्रैल 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय द्वारा नए शैक्षणिक सत्र में चलाए जाने वाले विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी मंगलवार को भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित पत्र-परिषद में दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार बी. एड., एम. कॉम एवं एम.बी. ए. जैसे पाठ्यक्रम आरंभ किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न भारतीय भाषाओं के पाठ्यक्रमों के साथ-साथ चीनी, फ्रेंच, जापानी एवं स्पेनिश आदि भाषाओं के पाठ्यक्रमों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का तेज गति से विकास हो रहा है और यही कारण है कि विश्वविद्यालय को हाल ही में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद 'नैक' (NAAC) ने 'ए' ग्रेड का विश्वविद्यालय प्रमाणित किया है। उन्होंने विश्वविद्यालय को सूचना और प्रौद्योगिकी को लेकर अग्रसर होने की दिशा में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का उल्लेख भी किया। पत्र-परिषद में संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय और जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित थे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के सत्रहवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और यह अपने पूर्ण ओज और शक्ति के साथ कार्य करने लगा है। वस्तुत: यह अपने विकास के अहम पड़ाव पर आगे बढ़ रहा। इस विश्वविद्यालय की परिकल्पना शिक्षा के एक वैकल्पिक संस्था के रूप में की गई है।

सातपुड़ा रेज की पहाडियों के बाहु पाश में विकसित गांधी हिल्स पर अवस्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) की स्थापना भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 में केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई है। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम

(वर्धा) से करीब दस किलोमीटर की दूरी पर मुंबई-नागपुर हाइवे पर लगभग 212 एकड़ क्षेत्रफल में अवस्थित है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिंदी भाषा और साहित्य की उत्तरोत्तर उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न विषयों में अध्ययन, अनुसंधान और

प्रशिक्षण के समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश और दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे आधुनिकतम एवं अद्यतन ज्ञान-सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास भी इस विश्वविद्यालय की प्राथमिकता में शामिल है। वर्तमान बहुभाषा भाषी-विश्व में एक समर्थ-सम्पन्न अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान विश्वविद्यालय की प्रथम प्रतिश्रुति है। कहा जाए तो यह विश्वविद्यालय सेवाग्राम और पवनार आश्रम की श्रृंखला की कड़ी में पल-प्रतिपल विचारों के गांधीवादी परिवर्तन की श्रृंखला से सुसज्जित आधुनिक आवर्तन का अंतरराष्ट्रीय आश्रम है जहां भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुवाद एवं निर्वचन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन तथा शिक्षा इन विद्यापीठों के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा आदि के विभिन्न रोजगाराभिमूख पाठ्यक्रम सूचारू रूप से संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कोलकाता तथा इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के श्रेत्रीय केंद्र भी चल रहे हैं जहां कई पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

वैश्विक स्तर की मानकता स्थापित कर रहे विश्वविद्यालय का विकास-फलक महात्मा गांधी की कर्मस्थली वर्धा में देश के पहले अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने नई वैश्विक व्यवस्था के मद्देनजर विषयों के चयन और उनके हिंदी में अध्ययन का सुनिश्चित किया है। हिंदी महज साहित्य व चिंतन की भाषा के रूप में ही सीमित न रहे, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की परिपक्व भाषाओं के समकक्ष पहुंच सके और वैश्विक स्तर पर भाषा-राजदूत की अहम भूमिका का निर्वहन कर सके यह इसका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। विदेशों कें विश्वविद्यालयों और संस्थाओं में हिंदी व हिंदी माध्यम से विभिन्न अनुशासनों के अध्ययन व अनुसंधान के लिए यह विश्वविद्यालय समन्वयक की भूमिका निभा रहा है। इसके अंतर्गत यहां दुनिया के

अनेक देशों के छात्र अध्ययन-अध्यापन करने बड़ी संख्या में आ रहे हैं। विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के लिए हिंदी का पाठ्यक्रम एवं विदेशी हिंदी शिक्षकों के लिए अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) पाठ्यक्रम संचालित कर अपनी वैश्विक वैभवता का प्रतिमान खड़ा किया है। विश्वभर के हिंदी पाठकों को भारतेंदु से लेकर अब तक के कॉपीराइट मुक्त महत्वपूर्ण हिंदी साहित्य को सुलभ कराने का बीड़ा इस विश्वविद्यालय ने उठाया है। 'हिंदीसमयडॉट कॉम' (hindisamay.com) इस वेबसाइट के माध्यम से यह कार्य विश्वभर में पहुंचाया जा रहा है। यहां जो विषय पढ़ाये जा रहे हैं वे बहुत कम विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जाते है। इन विषयों में स्त्री अध्ययन, संचार एंव मीडिया अध्ययन, अनुवाद, फिल्म और थिएटर, विकास एवं शांति अध्ययन, दलित एवं जनजाति अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानव विज्ञान, मनोविज्ञान, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, भाषा प्रौद्योगिकी मास्टर ऑफ सोशल वर्क, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, शिक्षाशास्त्र, डायस्पोरा, फोरेंसिंक साइंस, एम. कॉम, एवं एमबीए आदि। विश्वविद्यालय में इन विषयों में एम. ए., एम.फिल. पीएच.डी. तथा डिप्लोमा तक की पढ़ाई हो रही है। इसके अलावा मराठी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी, चीनी, स्पेनिश, जापानी, फ्रेंच एवं पालि जैसी भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एडवांस्ड डिप्लोमा का अध्ययन-अध्यापन अनुभवी एवं विशेषज्ञ अध्यापकों के द्वारा किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2015-16 से विश्वविद्यालय में बी. एड. का दो वर्षीय पाठ्यक्रम आरंभ हो रहा है जिसे शुरू करने वाला भारत का यह पहला केंद्रीय विश्वविद्यालय है।

विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकों, कल्पनाशीलता, अनुभवपरक सीखने के अवसरों के साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्व दिया जाता है। यहां अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ छात्रों को रोजगार के अवसर पाने के लिए अनेक मार्गों के चयन की सुविधा भी प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा ली जाने वाली नेट परीक्षा और अन्य स्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार किया जाता है। उच्च शिक्षा की नई उंचाई हासिल करने की दिशा में यह विश्वविद्यालय अग्रसर है और यही कारण है कि हाल ही में यानी 2015 के प्रारंभ में नैक (NAAC) द्वारा किए गये निरीक्षण और मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्रदान किया है। विश्वविद्यालय ने वर्धा मुख्यालय के अलावा अपने दो क्षेत्रीय केंद्र शुरू किए है जो इलाहाबाद और कोलकाता में अवस्थित हैं। इन केंद्रों पर भी अनेक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों से विश्वविद्यालय अपने को सुसंगत रखता है और यही कारण है कि विश्वविद्यालय ने इस शैक्षणिक सत्र से फिल्म निर्माण, अभिनय एवं मंच विन्यास में बी. वोक. के साथ-साथ हिंदी

ऑनर्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार ऑनर्स, बी. एस. डब्ल्यू और बी. कॉम आनर्स जैसे पाठ्यक्रम आरंभ किए हैं। यहां के पाठ्यक्रम की एक विशेषता और है, यहां प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर सीखना अनिवार्य है। यह एक आवासीय विश्वविद्यालय है और साथ ही साइबर परिसर भी। वाई-फाई युक्त परिसर में विश्वविद्यालय आधुनिकतम तकनीकों से लैस है। यहां के समृद्ध पुस्तकालय में ज्ञान का भव्य भंडार है जो छात्रों को अपनी ओर खींच लाता है। महापंडित राहुल सांकृत्यान के नाम से निर्मित पुस्तकालय में ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। मौलिक और मानक-ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेजों का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भ-कोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएं है। विश्वविद्यालय त्रैमासिक पत्रिका 'बहुवचन', द्वैमासिक समीक्षात्मक पत्रिका 'पुस्तक वार्ता' और द्वैमासिक समाचार पत्रिका 'हिंदी विश्व' का नियमित प्रकाशन करता है। यह कहना गलत न होगा कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एक अद्वितीय विश्वविद्यालय है जिसकी परिकल्पना अपने आयाम में एक ज्ञानाधार के रूप में की गयी है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है और 19 मई 2015 तक आवेदन करने की अंतिम तिथि रखी गई है। आवेदन ऑनलाइन भी उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय का पता :

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
फोन/फैक्स : 07152-251661
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांची पत्रकारांशी चर्चा

विश्वविद्यालयात नव्या शैक्षणिक सत्रापासून रोजगाराभिमूख अभ्यासक्रम -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 28 एप्रिल 2015: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी विश्वविद्यालयात नव्या शैक्षणिक सत्रापासून संचालित विविध रोजगाराभिमूख अभ्यासक्रमांची माहिती मंगळवारी भाषा विद्यापीठाच्या सभागृहात आयोजित पत्रकार-परिषदेत दिली. विश्वविद्यालयाच्या इतिहासात पहिल्यांदा बी. एड., एम. कॉम आणि एम.बी. ए. सारखे विषय सुरू करण्यात येणार आहेत. विविध भारतीय भाषांसह चीनी, फ्रेंच, जापानी आणि स्पेनिश या भाषांचे अभ्यासक्रम विश्वविद्यालयात सुरू असल्याचे त्यांनी सांगितले. विश्वविद्यालयातील शैक्षणिक प्रगती आणि संशोधनाची गुणवत्ता यामुळे विश्वविद्यालयाला राष्ट्रीय मूल्यांकन आणि प्रत्यायन परिषद 'नॅक' (NAAC) ने 'ए' ग्रेड प्रदान केला आहे असेही ते म्हणाले. पत्रकार-परिषदेला संचार आणि मीडिया अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय आणि जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित होते.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने आपल्या स्थापनेच्या सतराव्या वर्षात पदार्पण केले आहे आणि मोठया जोमाने आणि शक्तीने शैक्षणिक क्षेत्रात पुढे जात आहे.

वास्तविक हे विश्वविद्यालय आपल्या विकासाच्या महत्वाच्या टप्यांवर मार्गक्रमण करीत आहे. या विश्वविद्यालयाची परिकल्पना शिक्षणाची एक पर्यायी संस्था म्हणून करण्यात आली आहे.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) हे सातपुड़ा पर्वतरांगांच्या बाहुपाशात विकसित भारतीय संसदेत 1996 मध्ये पारित अधिनियमा अंतर्गत 1997 मध्ये एक केंद्रीय विश्वविद्यालय म्हणून स्थापित करण्यात आले आहे. देशातील हे एक पहिले आंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय असून हे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांची कर्मभूमी सेवाग्राम (वर्धा) येथून जवळपास दहा किलोमीटर अंतरावर मुंबई-नागपुर महामार्गावर 212 एकराच्या भूमीत कार्यरत आहे. दीर्घकाळ चाललेल्या प्रयत्नांमधून हे विश्वविद्यालय आकारास आलेले आहे. हिंदी भाषा आणि साहित्याची उत्तरोत्तर उन्नती यासह ज्ञानाच्या विविध विषयांमध्ये अध्ययन, शोध आणि प्रशिक्षणाचे समर्थ माध्यम म्हणून हिंदीचा सम्यक विकास हे या विश्वविद्यालयाचे मुख्य प्रधान लक्ष्य आहे. देश आणि विदेशी भाषांसह हिंदीचे तुलनात्मक अध्ययन आणि आधुनिकतम व अद्यतन ज्ञान-सामुग्रीचे हिंदीत भाषांतर व विकास करणे हेही या विश्वविद्यालयाच्या प्राधान्यक्रमात समाविष्ट आहे. हे विश्वविद्यालय सेवाग्राम आणि पवनार आश्रमाच्या श्रृंखलेत गांधीवादी आधुनिक आवर्तनाचा आंतरराष्ट्रीय आश्रम होय जिथे भाषा, साहित्य, संस्कृती, अनुवाद आणि निर्वचन, मानव्य आणि सामाजिक शास्त्रे, व्यवस्थापन आणि शिक्षण या विद्यापीठा (Schools) अंतर्गत पदवी, पदव्यूत्तर, शोध आणि डिप्लोमा इत्यादी विविध रोजगाराभिमूख अभ्यासक्रम संचालित केले जात आहेत. वर्धेशिवाय कोलकाता आणि अलाहाबाद येथेही विश्वविद्यालयाची प्रादेशिक केंद्रे चालू आहेत आणि तेथे विविध अभ्यासक्रमाचे अध्ययन-अध्यापन होत आहे.

वैश्विक स्तरावर एक उत्कृष्ट मानक स्थापित करत असलेल्या या विश्वविद्यालयाचा ग्राफ महात्मा गांधी यांची कर्मभूमी असलेल्या वर्धा शहरातून आंतरराष्ट्रीय पटलावर झळकत आहे. हिंदी केवळ साहित्य आणि चिंतनाची भाषा न राहता ती आंतरराष्ट्रीय स्तरावरील परिपक्व भाषांप्रमाणे विकसित व्हावी यासाठी हे विश्वविद्यालय जागतिक पातळीवर कार्यरत आहे. विदेशातील विद्यापीठे आणि संस्थांमध्ये हिंदी तसेच हिंदी माध्यमातून विविध विषयांमध्ये अध्ययन आणि शोध करण्यासाठी हे विश्वविद्यालय समन्वयकाची भूमिका बजावत आहे. म्हणूनच येथे विदेशातील अनेक विद्यापीठांचे विद्यार्थी अध्ययन करण्यासाठी येत आहेत. विश्वविद्यालयाने विदेशी विद्यार्थ्यांकरिता हिंदीचा अभ्यासक्रम आणि विदेशी हिंदी शिक्षकांकरिता अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) अभ्यासक्रम राबवून आपल्या जागतिक वैभवतेचे प्रतिमान गाठले आहे. जगभरातील

हिंदी वाचकांना भारतेंदु पासून तर आतापर्यंतचे कॉपीराइट मुक्त महत्वपूर्ण हिंदी साहित्य उपलब्ध करवून देण्याचा विडा विश्वविद्यालयाने उचलला आहे. 'हिंदीसमयडॉट कॉम' (hindisamay.com) या वेबसाइटच्या माध्यमातून हे काम जगभरात पोचविले जात आहे. येथे जे विषय शिकविले जातात ते खूप कमी विद्यापीठांमध्ये शिकविले जातात. जसे स्त्री अध्ययन, संचार व मीडिया अध्ययन, अनुवाद, फिल्म आणि थिएटर, विकास आणि शांती अध्ययन, दलित आणि अनुसूचित जमाती अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानवशास्त्र, मनोविज्ञान, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, भाषा तंत्रज्ञान, मास्टर ऑफ सोशल वर्क, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, शिक्षणशास्त्र, डायस्पोरा, फोरेंसिक साइंस, एम. कॉम, आणि एमबीए इत्यादी. विश्वविद्यालयात या विषयांमध्ये एम. ए., एम.फिल. पीएच.डी. तथा डिप्लोमा पर्यंतचे शिक्षण प्रदान करत आहे. याशिवाय मराठी, उर्दू, संस्कृत, इंग्रजी, चीनी, स्पेनिश, जापानी, फ्रेंच आणि पाली या भाषांमध्ये सर्टिफिकेट, डिप्लोमा आणि एडवांस्ड डिप्लोमा शिकविण्यात येत आहे. चालू शैक्षणिक सत्रात बी. एड. या दोन वर्षीय अभ्यासक्रमाची सुरूवात होत आहे. बी. एड सुरू करणारे हे देशातील प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय होय.

विद्यापीठ अनुदान आयोगाकडून घेण्यात येणारी नेट परीक्षा आणि इतर स्पर्धात्मक परीक्षांकरिता विश्वविद्यालयात विद्यार्थी तयार करण्यात येतात. उच्च शिक्षणात नवी उंची गाठण्यासाठी हे विश्वविद्यालय अग्रेसर आहे आणि याचाच एक भाग म्हणून नुकत्याच नॅक (NAAC) द्वारा करण्यात आलेल्या निरीक्षण आणि मूल्यांकनामध्ये विश्वविद्यालयाला 'ए' ग्रेड प्रदान करण्यात आला आहे. उच्च शिक्षणात होत असलेल्या बदलांमध्ये विश्वविद्यालय स्वत:ला सुसंगत ठेवते आणि या दिशेने विश्वविद्यालयाने चालू शैक्षणिक सत्रापासून चित्रपट निर्मिती, अभिनय आणि मंच विन्यास या विषयांमध्ये बॅचलर ऑफ व्होकेशनल आणि हिंदी ऑनर्स, पत्रकारिता आणि जनसंचार ऑनर्स, बी. एस. डब्ल्यू आणि बी. कॉम आनर्स हे विषय सुरू केले आहेत. प्रवेश घेतलेल्या प्रत्येक विद्यार्थ्याला येथे कंप्यूटर शिकणे आवश्यक आहे आणि त्यासाठी त्याला एक स्वतंत्र पेपर द्यावा लागतो. माहिती आणि तंत्रज्ञानाशी विद्यार्थी अवगत असावा यासाठी येथे प्रयत्न करण्यात येतात. विश्वविद्यालयाचा संपूर्ण परिसर वाय-फाय युक्त आहे. येथील समृद्ध ग्रंथालयात ज्ञानाचे भव्य भंडार असून विद्यार्थ्यांना त्याचा लाभ सुटीच्या दिवशीही घेता येतो हे विशेष. ग्रंथालयात ऑनलाइन ग्रंथ देवाण-घेवाण सुविधा उपलब्ध आहे. विश्वविद्यालयाच्या अनेक योजना आहेत ज्यात मौलिक आणि मानक-ग्रंथांचे प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपी, चित्र, दस्तावेजांचा संग्रह, विश्वकोश आणि संदर्भ-कोशांची निर्मिती यांचा समावेश आहे. विश्वविद्यालय त्रैमासिक पत्रिका 'बहु वचन', द्वैमासिक समीक्षात्मक पत्रिका 'पुस्तक वार्ता'

आणि द्वैमासिक समाचार पत्रिका 'हिंदी विश्व' यांचे नियमित प्रकाशन करते. विश्वविद्यालयात विविध अभ्यासक्रमांमध्ये प्रवेश घेण्याची प्रक्रिया प्रारंभ झाली असून अर्ज सादर करण्याची शेवटची तारीख 19 मे 2015 ही आहे. अर्ज ऑनलाइन सुद्धा उपलब्ध आहे.

विश्वविद्यालयाचा पता :

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
फोन/फैक्स : 07152-251661
वेबसाइट : www.hindivishwa.org